M.A. Semester-II Examination 2015
Hindi
Paper : VI

Time : Three Hours **Full Marks : 40**

Questions are of value as indicated in the margin.

1. निम्नलिखित गद्यांशों में से किन्हीं **दो** की सप्रसंग आलोचनात्मक व्याख्या कीजिए — 2×8=16

(क) गरीबों मे अगर ईर्ष्या या बैर है, तो स्वार्थ के लिए या पेट के लिए। ऐसी ईर्ष्या या बैर को मैं क्षम्य समझता हूँ। हमारे मुँह की रोटी कोई छीन ले, तो उसके गले में उँगली डालकर निकालना हमारा धर्म हो जाता है, अगर हम छोड़ दें तो देवता हैं। बड़े आदमियों की ईर्ष्या और बैर केवल आनंद के लिए है।

(ख) नारी की सफलता पुरुष को बाँधने में, सार्थकता उसको मुक्ति देने में। यह सफलता है या सार्थकता? मेरे मन में रह-रहकर यही ध्वनि निकलती रही कि नारी सौंदर्य यहाँ बन्ध्य है, निष्फल है, ऊसर है।

(ग) लोहे के कड़े बनते हैं तो लोहा भट्टी में पिघलाकर एकदम साँचे में ढाल दिया जाता है। किंतु सोने के कड़े बनाने के लिए पहले उसे नर्म किया जाता है फिर उसका तार बनाया जाता है फिर उसे गोल करके टाँका जाता है, फिर उस पर काम किया जाता है, फिर अंत में पालिश किया जाता है, तब कहीं वह तैयार होता है .... ऐसी ही है निर्धन औ धनिक बालकों की शिक्षा।

(घ) गाँव के लोग बड़े सीधे दीखते हैं; सीधे का अर्थ यदि अपढ़, अज्ञानी और अंधविश्वासी हो तो वास्तव में सीधे हैं वे। जहाँ तक सांसारिक बुद्धि का सवाल है, वे हमारे और तुम्हारे जैसे लोगों को दिन में पाँच बार ठग लेंगे। और तारीफ यह है कि तुम ठगी जाकर भी उनकी सरलता पर मुग्ध होने के लिए मजबूर हो जाओगी।

2. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **दो** के उत्तर दीजिए — 2×12=24

(क) "गोदान' कृषक-संस्कृति की महागाथा है"– इस कथन की समीक्षा कीजिए।

(ख) "बाणभट्ट की आत्मकथा' में कल्पना और इतिहास का समुचित विनियोग मिलता है"– इस कथन से आप कहाँ तक सहमत हैं?

(ग) औपन्यासिक तत्त्वों के आधार पर 'शेखर एक जीवनी' की समीक्षा कीजिए।

(घ) आंचलिकता की कसौटी पर 'मैला आँचल' का मूल्यांकन कीजिए।

(ङ) 'परिन्दे' अथवा 'वापसी' की व्यवहारिक समीक्षा कीजिए।